आरती लीजो

पद २

फूल वनस्पति हैं ये सारी, सातों सागर जल की झारी,
गगन अनाहत बाजे बाजें, गाजे राग डरे यम पाशी।

समस्त वनस्पतियाँ आपको अर्पित फूल हैं;
सप्त-सागर आपके जल की झारियाँ [जल परोसने के पात्र] हैं;
हृदयाकाश में अनाहत नाद के बाजे बजते हैं;
सुमधुर रागों की ऐसी ध्वनियाँ गुंजायमान हैं जिनसे यमदेव भी डर जाते हैं।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।